वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 255 | शुक्रवार 12 जनवरी 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

अतिरिक्त मुख्य सचिव संदीप वर्मा ने संभाला कार्यभार

टेण्डर प्रक्रिया पारदर्शी करने व काम तेजी से पूरे करने के दिए निर्देश

जयपुर. कासं। सार्वजनिक निर्माण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव संदीप वर्मा ने गुरूवार को कार्यभार ग्रहण किया। विभागीय अधिकारियों के साथ आयोजित पहली बैठक को सम्बोधित करते हुए उन्होंने निर्देश दिए कि विभाग की टेण्डर प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और नियमानुसार होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विभाग द्वारा सड़क और विभिन्न भवन निर्माण के जो कार्य करवाएं जा रहे हैं, उन्हें शीघ्रता से गुणवत्ता के साथ पूरा करें। इसके साथ ही सभी प्रोजेक्टस का मैनेजमेंट प्रोफेशनल तरीके से पूरा करने और प्रोजेक्ट्स की लागत को नियंत्रित करने के निर्देश भी उन्होंने दिए। सार्वजनिक निर्माण विभाग, राजस्थान राज्य सड़क विकास व निर्माण निगम लिमिटेड और राजस्थान राज्य राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ अतिरिक्त मुख्य सचिव शुक्रवार को 100 दिवसीय कार्य योजना की प्रगति की समीक्षा करेंगे।

सीएम भजनलाल ने की चेक गणराज्य के पीएम से मुलाकात

प्रदेश में निवेश को लेकर हुई चर्चा, राज्यपाल से भी मिले सीएम भजनलाल

जयपुर. कासं

सीएम भजनलाल शर्मा ने चेक गणराज्य के पीएम पेट्र फियाला से मुलाकात की। मुलाकात में सीएम भजनलाल शर्मा ने प्रदेश में निवेश को लेकर पीएम पेट्र फियाला से चर्चा की। उन्होंने चेक गणराज्य के पीएम को राजस्थान में निवेश की अपार संभावनाओं के बारे में बताया। मुख्यमंत्री ने राजस्थान में पर्यटन को बढ़ावा देने, तकनीकी क्षेत्र में नवाचार कर रोजगार सृजित करने, औद्योगिक विकास सहित विभिन्न मुद्दों पर पीएम पेट्र फियाला से चर्चा की। इस दौरान उप मुख्यमंत्री प्रेम चन्द बैरवा, मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह आनंद कुमार सहित चेक गणराज्य के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

राज्यपाल कलराज मिश्र से भी मिले सीएम भजनलाल

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने आज राजभवन पहुंचकर राज्यपाल कलराज मिश्र से भी मुलाकात की। उन्होंने राज्यपाल से राज्य के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर चर्चा की। दरअसल 19 जनवरी से विधानसभा की बैठकें होनी है। पहले दिन राज्यपाल का अभिभाषण होगा। अभिभाषण में राज्यपाल राज्य सरकार का विजन सदन में रखेंगे। माना जा रहा है कि इसी विषय को लेकर सीएम भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को राज्यपाल कलराज मिश्र से मुलाकात की है। इसके अलावा राज्य में महाधिवक्ता सहित कई संवैधानिक पदों पर भी नियुक्तियां होनी है। इसे लेकर भी सीएम भजनलाल शर्मा और राज्यपाल कलराज मिश्र के बीच वार्ता होने की संभावना हैं।

क्लैट टॉपर ने की सीएम से मुलाकात

सीएम भजनलाल शर्मा ने अपने अस्थायी सीएमआर में जनसुनवाई की। इस दौरान वे प्रदेश से आए लोगों से मिले। वहीं आज सीएम भजनलाल से क्लैट-2024 में प्रथम रैंक हासिल करने वाले जय बोहरा ने भी सपरिवार मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने उनको बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

राजस्थान में सबसे साफ जयपुर नगर निगम हेरिटेज

स्वच्छता सर्वेक्षण में देशभर में 171वीं रैंक मिली, डूंगरपुर को मिली 3 स्टार रेटिंग

जयपुर. कासं

स्वच्छ भारत मिशन के तहत आयोजित हुए स्वच्छता सर्वेक्षण 2023 में जयपुर नगर निगम हेरिटेज ने राजस्थान में टॉप किया है। जयपुर नगर निगम हेरिटेज को सबसे स्वच्छ और क्लीन सिटी का खिताब मिला है। सर्वेक्षण में एक लाख से ज्यादा आबादी वाले शहरों में जयपुर को देशभर में 171वीं रैंक मिली है। डूंगरपुर ने एक बार फिर बड़ा मुकाम हासिल किया है। एक लाख से कम आबादी वाले डूंगरपुर नगर परिषद को ओडीएफ प्लस घोषित किया गया है। राजस्थान में डूंगरपुर को श्री स्टार रेटिंग देते हुए गार्बेज फ्री सिटी का खिताब मिला है। इसी कड़ी में गुरुवार को दिल्ली के भारत मंडपम में केंद्र सरकार की ओर से आयोजित समारोह में यूडीएच डिपार्टमेंट के सेक्रेटरी मनोज जोशी ने जयपुर नगर निगम की मेयर मुनेश गुर्जर को अवॉर्ड दिया। केंद्र सरकार द्वारा देशभर में स्वच्छता सर्वेक्षण के तहत अलग-अलग स्तर पर सर्वे किया गया था। इस सर्वे के तहत शहर की सफाई व्यवस्था सौंदर्यीकरण कचरे का निष्पादन शौचालय की व्यवस्था और आमजन में सफाई को लेकर जागरूकता प्रमुख आधार थे। इन्हीं आधार पर केंद्र के अधिकारियों ने निरीक्षण के बाद अलग-अलग जिलों को रैंकिंग दी। मेयर मुनेश गुर्जर ने कहा- यह अवॉर्ड जयपुर के हर नागरिक और निगम के हर कर्मचारी को समर्पित है। मुझे उम्मीद ही नहीं बल्कि पूरा विश्वास है।

आइएएस सुनील शर्मा ने सूचना और जनसंपर्क विभाग के आयुक्त का पदभार किया ग्रहण

जयपुर. कासं। भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी सुनील शर्मा ने गुरुवार को शासन सचिवालय में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के आयुक्त का पदभार ग्रहण कर लिया । पदभार ग्रहण करने के पश्चात शर्मा ने विभाग की विभिन्न शाखाओं का दौरा कर विभाग की कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी ली। उन्होंने विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियो से उनके पद से संबंधित जिम्मेदारी के बारे में जाना। शर्मा ने अधिकारियों और कर्मचारियों को सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं का प्रचार प्रसार करने के लिए प्रेरित किया। उल्लेखनीय है कि सुनील शर्मा भारतीय प्रशासनिक सेवा के वर्ष 2013 के अधिकारी हैं। इससे पूर्व शर्मा कॉलेज शिक्षा विभाग में आयुक्त के पद पर अपनी सेवाएं दे रहे थे।

वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट-2024

राजस्थान को ग्लोबल कंपनियों का सर्वाधिक पसंदीदा निवेश स्थल बनाना लक्ष्य

प्रदेश की विकास यात्रा में निवेशक सहभागी बनें। वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट के दूसरे दिन भी उद्योग एवं ऊर्जा मंत्री ने दिग्गज कंपनियों के प्रमुखों से की चर्चा

जयपुर. कासं

गुजरात के गांधी नगर में आयोजित हो रहे वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट-2024 के दूसरे दिन भी गुरूवार को उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ एवं ऊर्जा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर ने विभिन्न सेक्टर की प्रमुख कम्पनियों के चेयरमैन, प्रबंधकों एवं सीईओ से प्रदेश में निवेश की सम्भावनाओं पर चर्चा की। राजस्थान में निवेश के नए आयाम स्थापित करने के लिए उद्योग मंत्री राठौड़ एवं ऊर्जा मंत्री नागर ने इन कम्पनियों के प्रतिनिधियों के साथ विस्तृत एवं सार्थक चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रदेश में विकास एवं रोजगार को बढ़ावा देने के लिए जरूरी है कि अधिक से अधिक निवेशकों को प्रोत्साहित किया जाए। राज्य सरकार इन्वेस्टर फ्रेंडली नीतियों और उनके प्रभावी क्रियान्वयन के माध्यम से प्रदेश में उद्यमियों को निवेश के अनुकूल वातावरण तथा आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए तत्पर है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार के सामने गुजरात का अनुकरणीय उदाहरण है कि कैसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की बहुआयामी विजनरी लीडरशिप ने एक प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा दिया और दृढ़ इच्छा शक्ति के साथ लिए गये उनके मजबूत फैसलों ने इसे देश के कुल निर्यात की एक-तिहाई भागीदारी वाला राज्य बना दिया। दोनों मंत्रियों ने माइक्रो इलेक्ट्रॉनिक एवं सेमीकंडक्टर, ऑयल रिफाइनरी, पेट्रोलियम, विनिर्माण एवं बिक्री सेक्टर, वेस्ट मैनेजमेंट, इंफ्रास्ट्रक्चर, रियलटी, प्लांट बेस्ड स्पेशिलिटी प्रॉड्क्ट से सम्बद्ध आदि बड़ी कंपनियों के साथ बातचीत कर उनकी निवेश योजनाओं को जाना।

देवनानी के जन्म दिन पर विधानसभा में सुन्दरकाण्ड पाठ

जयपुर शहर की चार अन्नापूर्णा रसोइयों पर निःशुल्क भोजन कराया गया

जयपुर. कासं। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के जन्म दिन पर राजस्थान विधानसभा सचिवालय अधिकारी परिषद की ओर से शिव मंदिर में सुन्दरकाण्ड पाठ का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शिव मंदिर में विधानसभा के अधिकारीगण व कर्मचारियों ने पूजा अर्चना कर देवनानी के कुशल एवं दीर्घ जीवन के लिए शुभकामनाएं की।

देवनानी के जन्म दिन पर गरीबों को निःशुल्क भोजन: राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के जन्म दिन के उपलक्ष्य में राजस्थान विधानसभा सचिवालय अधिकारी परिषद की ओर से जयपुर शहर के अन्नपूर्णा रसोई में गरीब और जरूरतमंदों को सांय कालीन भोजन निःशुल्क कराया गया। परिषद के अध्यक्ष लोकेश जैन ने बताया कि जयपुर शहर के अन्नापूर्णा रसोइयों जे.के. लोन, बांगड, महिला चिकित्सालय और गोपालपुरा में देवनानी के जन्म दिन पर जरूरत मंदों को निःशुल्क भोजन कराया गया।

67वीं राष्ट्रीय स्कूली लॉन टेनिस स्पर्धा में राजस्थान ने जीता स्वर्ण पदक

जयपुर. कासं। जोधपुर में आयोजित 67वीं राष्ट्रीय स्कूली लॉन टेनिस स्पर्धा में 17 वर्ष आयु वर्ग में राजस्थान की छात्रा टीम ने गोल्ड मेडल जीतकर प्रदेश का मान बढ़ाया है। इस विशिष्ट उपलब्धि पर शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने खुशी का इजहार करते हुए स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम की खिलाड़ियों और कोच सहित अधिकारियों और विभाग की पूरी टीम को बधाई और शुभकामनाएं दी है। स्कूल शिक्षा विभाग के शासन सचिव नवीन जैन ने भी टीम के सराहनीय प्रदर्शन पर सभी को बधाई दी है।

श्री राधा-रानी गौशाला बिलोची में गोस्वामी मृदुल कृष्ण ने की गायों की पूजा

जयपुर. शाबाश इंडिया। अजमेर-दिल्ली हाइवे स्थित श्री राधा-रानी गौशाला बिलोची में परम श्रद्धेय आचार्य गोस्वामी मृदुल कृष्ण जी महाराज ने गायो की पूजा की और गुड़ खिलाया। इस मौके पर भक्तों की प्रसादी भी हुई। गिर्राज संघ परिवार के अध्यक्ष मदन सोमानी ने बताया कि श्री राधा-रानी गौशाला बिलोची में गोस्वामी मृदुल कृष्ण जी महाराज पहुंचे जहां पर महाराजश्री का स्वागत किया। इसके बाद गोस्वामी मृदुल कृष्ण ने गायों की पूजा-अर्चना कर गुड खिलाया। इसके बाद महाराजश्री ने गौशाला स्टॉफ से जानकारी ली। स्टाफ ने महाराजश्री को बताया कि गौशाला में करीब 800 गाय है,जिनकी चिकित्सा के लिए 3 चिकित्सक व सेवा के लिए 20 सेवादारों का स्टाफ है। गोशाला की सफाई व्यवस्था की महाराजश्री ने भूरि-भूरि प्रशंसा की। इसके बाद करीब 1हजार के आसपास भक्तों की प्रसादी हुई। इस मौके पर आचार्य गोस्वामी मृदुल कृष्ण की धर्म पत्नी वंदना गोस्वामी,मनिन्दर सिंह,आरवी सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

एडवोकेट कथा माथुर को पीएचडी अवार्ड

जयपुर. शाबाश इंडिया। एडवोकेट कथा माथुर को डॉक्टर ऑफ फिलोसॉफी (पीएचडी) अवार्ड प्राप्त हुआ है। कथा माथुर ने मणिपाल यूनिवर्सिटी स्कूल आफ लॉ जयपुर की एसोसिएट प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष विधि संकाय की डॉक्टर सोनी कुलश्रेष्ठ के निर्देशन में अपना शोध कार्य पूरा किया है। कथा माथुर के शोध का विषय ''ओम्बुड्समैन- लेजिस्लेटिव एंड ज्यूडिशल ट्रेंन्डस'' विषय पर शोध किया है।

महिला शक्ति का अभेद्य सफर 'साइक्लोथॉन' का राजस्थान में प्रवेश

रतनपुर बॉर्डर पर पधारो म्हारे देश से किया जोरदार स्वागत, राजस्थान डायरेक्टरेट के उदयपुर ग्रुप एनसीसी ने किया स्वागत

रतनपुर. शाबाश इंडिया। देश के 75वे अमृत महोत्सव के तहत कन्याकुमारी से शुरू हुए साइक्लोथॉन 'महिला शक्ति का अभेद्य सफर' का गुजरात के श्यामला जी से राजस्थान की सीमा रतनपुर बॉर्डर में प्रवेश हुआ। कन्याकुमारी से दिल्ली तक साइक्लोथॉन 8 दिसंबर से शुरू हो गया है इसमे 20 सदस्य एक टीम भाग ले रही है। साइकिल से 3 हजार 232 किलोमीटर की दूरी तय कर इस साइक्लोथॉन का समापन 21 जनवरी को दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों होगा इस बीच बुधवार को रतनपुर बोर्डर से होते हुए ऋषभदेव साइक्लोथॉन पहुंची। रतनपुर बॉर्डर पर राजस्थान के उदयपुर ग्रुप के 60 से अधिक एनसीसी कैडेट,सैन्य स्टाफ,अन्य नागरिकों ने प्रवेश पर जोरदार स्वागत किया इस अवसर पर ऋषभदेव राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सतीश चंद्र जैन ने झंडी दिखाकर साइक्लोथॉन सदस्यों का स्वागत किया और उनकी भविष्य की यात्रा के लिए शुभकामनाएं दीं। साइक्लोथॉन में तेरह राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) की बालिका कैडेट भाग ले रही है और बुधवार को श्यामला होते हुए ऋषभदेव में एक महत्वपूर्ण पड़ाव बनाया। इस स्मारकीय साइक्लोथॉन का लक्ष्य 28 जनवरी को दिल्ली में अपने प्रेरक अभियान का समापन करना है।

वेद ज्ञान

अज्ञान के समान दूसरा कोई शत्रु नहीं

अज्ञान आपका घातक शत्रु है, जबकि ज्ञान हितैषी मित्र। ज्ञान जीवन के लिए आशा, उमंग, प्रेरणा, उत्साह व आनंद के इतने गवाक्ष खोल देता है कि जीवन का क्षण-क्षण ईश्वर का अनमोल उपहार प्रतीत होता है। एक सृजनशील क्षण आपको प्रतिष्ठा के उत्तुंग शिखर पर प्रतिस्थापित कर सकता है, जबकि कुविचार की अवस्था में क्षण भर का निर्णय आपको निकृष्टता की गर्त में धकेलकर जन्म-जन्मांतरों के लिए आपको लांछित व कलंकित करने के लिए पर्याप्त है। अज्ञान हमें निराशा और पतन की ओर ले जाता है, जबकि ज्ञान आात्मिक उन्नति का पर्याय बन जीवन समृद्धि और आध्यात्मिक उन्नयन की आधारशिला भी बनाता है। जीवन में यत्र-तत्र-सर्वत्र आनंद व सृजन का सौरभ प्रवाहित करता रहता है। चाणक्य ने कहा है कि अज्ञान के समान दूसरा कोई शत्रु नहीं है। अज्ञान के अंधकार में ज्ञान रूपी प्रकाश के अभाव में भविष्य रूपी भाग्य की राहें अदृष्ट हो जाती हैं और मनुष्य असहाय होकर अपने कर्म व चिंतन की दहलीज पर ही ठोकरें खाने को विवश होता है। मंजिल व लक्ष्य पास होने पर भी वह उसे न पाने के लिए अभिशप्त होता है। फिर वह अपनी ही सोच व कर्म के चक्रव्यूह में फंसकर भय से प्रकंपित होता रहता है। कनफ्यूशियस का मानना है कि अज्ञान मन की निशा है, किंतु वह निशा, जिसमें न तो चंद्र है और न ही नक्षत्र। ज्ञान मनुष्य को तृप्ति, संतोष, आनंद, शांति व निर्भयता का दान देता है, जबकि अज्ञान अतृप्ति, असंतोष, अशांति व भय का उपहार देता है। प्रसिद्ध विचारक ए. होम का मत है कि अज्ञान भय की जननी है। वास्तव में सभी अपराध, विध्वंस, कुकृत्य और अनैतिक कार्य अज्ञान से प्रेरित होकर ही किए जाते हैं। चोर अज्ञानता में ही चोरी का अनैतिक कार्य करता है। वह उसे जीवन का चरम और परम व्यवसाय लगता है, किंतु ज्ञान व बोध हो जाने पर उसके आगोश में बिताए गए क्षणों के प्रति पश्चाताप का भाव उत्पन्न होता है। शेक्सपियर ने अज्ञान को अंधकार कहा है, जिसमें मनुष्य घुटने के लिए विवश होता है। अज्ञानता दूसरे अर्थों में अनपढ़ता ही है, जिसके रहते समग्र जीवन में अंधकार, नैराश्य व भय व्याप्त रहता है। सकारात्मकता की छाया भी दृष्टिगत नहीं होती। ऐसा निरुद्देश्यपूर्ण जीवन भला किस अर्थ का?

संपादकीय

पहाड़ की पारिस्थितिकी

पहाड़ मैदानों के मौसम का मिजाज साधने में मदद करते हैं। बादलों के बरसने, हवाओं में नमी भरने, नदियों को सदानीरा बनाए रखने में पहाड़ों का बड़ा योगदान होता है। उनकी हरियाली सैलानियों का मन तो मोहती ही है, अनेक औषधीय वनस्पतियां भी सहेजती है। मैदानी भागों की कृषि काफी कुछ पहाड़ों से पोषण पाती है। मगर जलवायु परिवर्तन के चलते अब पहाड़ खुद बंजर होने की तरफ बढ़ चले हैं। उत्तराखंड में जीबी पंत कृषि एवं

प्रौद्यागिकी विश्वविद्यालय के एक शोध से पता चला है कि इस वर्ष पिछले चालीस वर्षों की तुलना में वर्षा स्तर में उल्लेखनीय कमी दर्ज हुई है। न्यूनतम तापमान में चिंताजनक वृद्धि देखी गई है, जिसके चलते तराई क्षेत्रों में फसलों के समय से पहले पकने और उत्पादन में कमी आने की आशंका गहरी हो गई है। शोध में वर्षा के स्तर, धूप की अवधि और वाष्पीकरण की दर पहले की तुलना में काफी घट गई है। इन स्थितियों में फिलहाल सुधार की कोई गुंजाइश नजर नहीं आ रही। इसी तरह इस वर्ष जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश के पहाड़ों पर अभी तक बर्फ नहीं गिरी है। कश्मीर के जिस गुलमर्ग इलाके में इस समय बर्फ की मोटी चादर पसरी होती थी, वहां सूखा पसरा है। यही हाल हिमाचल के पहाड़ों का है। पहाड़ों पर इस पारिस्थितिकी असंतुलन के पीछे अलनीनो प्रभाव बड़ा कारण माना जा रहा है। मौसम में शुष्कता होने की वजह से पहाड़ों पर सूखी ठंडपड़ रही है। इससे पहाड़ी इलाकों में पहुंचे सैलानियों में तो निराशा नजर आ ही रही है, कृषि उत्पादन में कमी को लेकर भी चिंता गहराने लगी है। दरअसल, धूप के घंटों और वाष्पीकरण में कमी के चलते पहाड़ी इलाकों में बादल नहीं बन पा रहे, जिससे वहां वर्षा कम हुई है। माकूल बरसात न होने से बर्फ भी नहीं पड़ रही। बर्फ कम पड़ेगी तो प्राकृतिक जल स्रोतों का स्तर भी घटेगा। पहले ही कई पहाड़ों की झीलों, जलकुंडों आदि में जल स्तर घटने के तथ्य सामने आ चुके हैं। ताजा अध्ययनों से यह स्थिति और चिंता बढ़ा सकती है। पहाड़ों पर बिगड़ते पारिस्थितिकी संतुलन, अतार्किक ढंग से चलाए जा रहे विकास कार्यों के कारण भंगुर पहाड़ों पर अनेक भयावह नतीजे देखे जा चुके हैं। उनसे पार पाना बड़ी चुनौती है। अब उन पर बढ़ता बंजरपन नए संकट झेलने को मजबूर कर सकता है। बढ़ते तापमान और सर्दी की अवधि में निरंतर संकुचन से गेहूं और कई दलहनी फसलों के उत्पादन में हर वर्ष कुछ कमी दर्ज हो रही है। अनियमित और असंतुलित वर्षा के कारण धान और तिलहनी फसलों का उत्पादन भी घट रहा है। ऐसे में पहाड़ों के मौसम का बिगड़ता मिजाज मैदानी इलाकों की मुश्किलें और बढ़ाएगा। मगर विडंबना है कि रोज-रोज उठ खड़े हो रहे संकटों और उनकी वजहों की जानकारी प्रकट होने के बावजूद अपेक्षित जागरूकता कहीं नजर नहीं आती। पहाड़ों और वनों की कटाई, औद्योगिक विकास के नाम पर पारिस्थितिकी के लिहाज से संवेदनशील इलाकों में निर्माण कार्यों को छूट दी जा रही है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

आखिर इंसाफ

बिलकिस बानो मामले में सर्वोच्च न्यायालय का फैसला गुजरात सरकार के पक्षपातपूर्ण व्यवहार पर कठोर प्रहार है। अदालत ने दोषियों को दो हफ्ते के भीतर समर्पण करने का आदेश दिया है। इसके साथ ही अदालत को गुमराह करने और हक हड़पने को लेकर गुजरात सरकार को कड़ी फटकार लगाई है। पिछले साल पंद्रह अगस्त को गुजरात सरकार ने बिलकिस बानो से सामूहिक बलात्कार करने वाले ग्यारह दोषियों की उम्र कैद की सजा माफ कर दी थी। तब इसे लेकर खासा रोष देखा गया था। उस फैसले को रद्द करने की सर्वोच्च न्यायालय में अपील की गई थी। तब अदालत ने राज्य सरकार से अपने फैसले पर पुनर्विचार करने को कहा, मगर उसने उस फैसले को उचित ठहराया था। इस संबंध में केंद्र सरकार ने भी उसका समर्थन किया था। फिर बिलकिस बानो की अपील पर सुनवाई करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने पाया कि दोषियों की सजा माफी का अधिकार गुजरात सरकार के पास था ही नहीं। चूंकि इस मामले की पूरी सुनवाई महाराष्ट्र में हुई थी, इसलिए इसका फैसला वही कर सकती थी। मगर गुजरात सरकार ने अदालत के सामने गलत तथ्य पेश कर वह हक हड़प लिया। बिलकिस मामले में गुजरात सरकार का रुख शुरू से ही पक्षपातपूर्ण देखा गया था। जब दोषी जेल में थे, तब भी उन्हें लंबे-लंबे समय के लिए पेरोल पर बाहर आने की इजाजत दी गई। यह ठीक है कि राज्य सरकारों को कुछ मामलों में दोषियों की सजा माफ करने का अधिकार है, मगर इससे उनके विवेक की भी परीक्षा होती है कि वे किस प्रकृति के मामले में अपने विशेष अधिकार का उपयोग कर रही हैं। बिलकिस का मामला सामान्य अपराध नहीं था। गुजरात दंगों के समय ग्यारह लोगों ने उससे बलात्कार किया। उस समय उसके गर्भ में पांच महीने का बच्चा था। फिर उसके सामने ही उसके परिवार के सात लोगों की हत्या कर दी गई, जिनमें उसकी तीन साल की बेटी भी थी। समझना मुश्किल नहीं है कि उस घटना का बिलकिस के मन पर क्या असर पड़ा होगा। किस पीड़ा, त्रास और भयावह स्थितियों से उसने अपने आप को उबारने की कोशिश की होगी। ऐसी बर्बर घटना के दोषियों की सजा माफ करने पर विचार करते हुए राज्य सरकार से विवेकपूर्ण व्यवहार की अपेक्षा की जाती थी। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा भी है कि अधिकार केवल दोषियों के नहीं होते, पीड़िता के भी होते हैं। समझना मुश्किल है कि राज्य सरकार को दोषियों की कथित पीड़ा तो समझ में आई, मगर बिलकिस का दर्द क्यों महसूस नहीं हुआ। गुजरात सरकार के इस फैसले की कई दृष्टियों से आलोचना हुई थी। इसके पीछे राजनीतिक मकसद भी देखे गए थे, जो दोषियों के रिहा होते ही दिखाई भी दिए। दोषियों का माला पहना कर स्वागत किया गया, मानो वे किसी जघन्य अपराध के दोषी नहीं, बल्कि उन्होंने कोई वीरोचित कार्य किया हो। इस तरह उनकी सजा माफ कर न सिर्फ उन्हें निर्दोष साबित करने, बल्कि समाज में उनका महिमामंडन करने का भी प्रयास हुआ था। ऐसे बलात्कार और हत्या करने, सामाजिक विद्वेष फैलाने वालों की सजा माफी और स्वागत किसी भी सभ्य समाज की निशानी नहीं मानी जा सकती। इससे समाज में गलत संदेश जाता है। ऐसे आपराधिक वृत्ति के लोगों को उकसावा मिलता है। गुजरात सरकार के फैसले पर सर्वोच्च न्यायालय की नाराजगी स्वाभाविक है। आखिर इस तरह के पक्षपातपूर्ण फैसले करने वाली सरकार को कल्याणकारी और महिलाओं की सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्ध कैसे माना जा सकता है!

पुण्य अवतरण दिवस को दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन सेवा दिवस के रूप में बनाएंगे

राजेश जैन दद्दू.शाबाश इंडिया

इंदौर। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के राष्ट्रीय संस्थापक अध्यक्ष जैन समाज रत्न स्वर्गीय प्रदीप कासलीवाल साहब की 75वी जन्म जयंती को समस्त रिजन और समस्त दिगंबर जैन सोशल ग्रुप 13 जनवरी को सेवा दिवस के रूप में मनाएंगे सोशल ग्रुप फेडरेशन के मिडिया प्रभारी राजेश जैन दद्दू/संजीव जैन संजीवनी ने बताया कि फेडरेशन के अंतर्गत सभी सोशल ग्रुप ने इस शुभ दिन को बड़े उत्साह और उमंग के साथ मानव सेवा शिक्षा सहयोग आदी प्रकल्पों के साथ राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश विनायका जी के नेतृत्व में मनाएंगे। सभी से विशेष अनुरोध है कि आप सभी यह सुनिश्चित करें कि 13 जनवरी को सेवा दिवस के रूप में अपने अपने नगर में मनाएं।

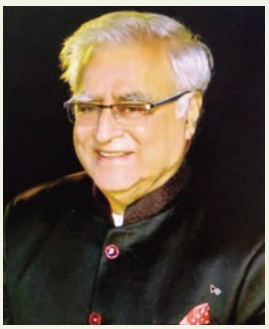

महावीर पब्लिक स्कूल में शिक्षकों के लिए कार्यशाला आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया। राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (NCF) केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE) के तहत कक्षा 1 से 8 तक के शिक्षकों के लिए शैक्षिक परिदृश्य को नया आकार देने के उद्देश्य से भाषा सीखने, विषय संरचना, मूल्यांकन रणनीतियों, पर्यावरण शिक्षा में बदलाव तथा सभी बच्चों को उच्चतम गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से एक कार्यशाला आयोजित की गई। प्राचार्या श्रीमती सीमा जैन ने रिसोर्स पर्सन श्रीमती आशा मिश्रा व श्रीमती सोनाली झा चटर्जी का स्वागत पुष्पगुच्छ भेंट करके किया। समन्वयिका श्रीमती वंदना जैन ने रिसोर्स पर्सन का 21वीं सदी में आधुनिक तरीकों से शिक्षण नीतियों के प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु आभार व्यक्त किया।

पीर कल्याणी नसिया जी में आयोजित हुई श्री भक्तमर दीप महाअर्चना

आगरा. शाबाश इंडिया। 11 जनवरी को आगरा के मोतीलाल नेहरू रोड स्थित श्री नेमिनाथ दिगंबर जैन मदिर अतिशय क्षेत्र पीर कल्याणी नसिया जी में गणिनी आर्यिका श्री आर्षमति माताजी ससंघ के मंगल सानिध्य एवं आगरा दिगंबर जैन परिषद के तत्वावधान में श्री 1008 भक्तामर दीप महाअर्चना का आयोजन बड़े ही हर्षोउल्लास के साथ किया गया। भक्तों ने महाअर्चना का शुभारंभ सर्वप्रथम सौभाग्यशाली भक्तों ने मूलनयाक भगवान नेमिनाथ एवं सभी प्रतिमाओं का जिन अभिषेक एवं वृहद शांतिधारा के साथ किया गयो इसके बाद भक्तों ने गुरुमां के सानिध्य एवं विधानाचार्य सौरभ जैन शास्त्री के कुशल निर्देशन में 48 काव्यों का वाचनकर 48 परिवारों द्वारा 48 मांडले पर 48 दीपक अर्पित कर श्री भक्तमर दीप महाअर्चना की मांगलिक क्रियाएं संपन्न की। महाअर्चना में मौजूद सभी भक्तों ने संगीतकार के मधुर भजनों पर श्रीजी के प्रति नृत्य किया। इस दौरान देवनगर सकल जैन समाज ने गणिनी आर्यिकाश्री आर्षमति माताजी के समक्ष श्रीफल भेटंकर श्री चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर देवनगर में मंगल प्रवास के लिए निवेदन किया। इस अवसर पर आयोजक कमेटी ने देवनगर से पधारे भक्तों का माला पहनकर स्वागत सम्मान किया। महाअर्चना के समापन पर सभी 48 परिवारों द्वारा 48 दीपकों से संगीतमय श्रीजी की मंगल आरती की। इस अवसर पर आगरा दिगंबर जैन परिषद के महामंत्री सुनील जैन ठेकेदार, सुशील जैन,सतीशचन्द्र जैन,सुनील जैन काका,सुनील जैन,राजकुमार गुड्डू,अवनी जैन,मीडिया प्रभारी शुभम जैन,दीपा जैन,समस्त आगरा सकल जैन समाज के लोग बड़ी संख्या में सम्मिलित हुए। **-रिपोर्ट मीडिया प्रभारी शुभम जैन**

वर्द्धमान गर्ल्स कॉलेज की होम साइंस की स्टूडेंट ने बनाए लजीज व्यंजन

कॉलेज की लेटेस्ट एवं मॉडर्न टेक्नोलॉजी वाली होम साइंस लेब में फाइनल ईयर की स्टूडेंट्स ने मिठाई के साथ ब्रेकफास्ट आइटम बनाए...

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति ब्यावर द्वारा संचालित श्री वर्द्धमान कन्या पी जी महाविद्यालय ब्यावर में गृहविज्ञान फाइनल वर्ष की छात्राओ द्वारा आज एक से बढ़कर एक लजीज एवं स्वादिष्ट व्यंजन बनाए गए। कॉलेज की लेटेस्ट एवं मॉडर्न टेक्नोलॉजी वाली होम साइंस लेब में फाइनल ईयर की स्टूडेंट्स ने मिठाई के साथ ब्रेकफास्ट आइटम बनाए। श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति के मंत्री डॉ. नरेन्द्र पारख एवं महाविद्यालय प्राचार्य डॉ.आर.सी.लोढ़ा ने होम साइंस स्टूडेंट्स की हौसला अफजाई की।

रुठियाई में श्रद्धालुओं ने की मुनि संघ की भव्य अगवानी हुई

रुठियाई. शाबाश इंडिया। मुनि श्री 108 आगम सागर जी महाराज ससंघ का रुठियाई मंगल प्रवेश हुआ। जैन मिलन अध्यक्ष अमित जैन सेंकी ने बताया कि जैन समाज द्वारा मुनि संघ का रुठियाई नगर में भव्य आगवानी की गई। इस मौके पर पंचवटी से ढोल नगाड़ों से जुलूस प्रारम्भ हुआ। जो एबी रोड, सदर बाजार होते हुए मंगलोदय तीर्थ पहुंचा। जुलूस में महिला मंडल, पाठशाला के बच्चो के अलावा राधौगढ़, बीनागंज, आवन, एनएफएल, गुना, धरनावदा, साडा, कुम्भराज सहित अन्य जगहों के श्रद्धालु शामिल हुए।

आर्यिका विज्ञाश्री माताजी के आशीर्वाद से धारण किये गणेशलाल जी बोहरा ने दो प्रतिमा के व्रत

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ , गुंसी (राज.) की पावन धरा पर नवनिर्मित व्रती आश्रम में आर्यिका विज्ञाश्री माताजी के आशीर्वाद से गणेशलाल जी बोहरा ने 2 प्रतिमा के व्रत धारण कर जीवन में कल्याण का मार्ग प्रशस्त किया । बानापुरा मध्यप्रदेश से मनोज छाबड़ा सपरिवार ने गुरु माँ का मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। शिमला मोटूका वाले निवाई एवं पारस चैनपुरा वाले निवाई सपरिवार ने गुरु माँ की निर्दोष आहारचर्या कराने का सौभाग्य प्राप्त किया। तदुपरांत माताजी ने धर्म का सदुपदेश देते हुए कहा कि - अणुव्रत का अर्थ है लघुव्रत। जैन धर्म के अनुसार श्रावक, अणुव्रतों का पालन करते हैं। 'महाव्रत' साधुओं के लिए बनाए जाते हैं। यही अणुव्रत और महाव्रत में अंतर है, अन्यथा दोनों समान हैं। अणुव्रत इसलिए कहे जाते हैं कि साधुओं के महाव्रतों की अपेक्षा वे लघु होते हैं। महाव्रतों में सर्वत्याग की अपेक्षा रखते हुए सूक्ष्मता के साथ व्रतों का पालन होता है, जबकि अणु व्रतों का स्थूलता से पालन किया जाता है। अणुव्रत के अनुसार इच्छा बढ़ाना अच्छा नहीं है क्योंकि इच्छाएं अनंत होती है और अनंत इच्छाएं दूसरों के अधिकार का हनन करती हैं और व्यक्ति को क्रूर बना देती है। अणुव्रत का लक्ष्य इच्छाओं का संयम है। अणुव्रत का तीसरा आधार है करुणा। अणुव्रत के अनुसार जिस व्यक्ति में करुणा होगी उसके लिए दूसरों के दुःख असह्य हो जाएँगे। वह अपने आचरणों के द्वारा किसी के प्रति क्रूर नहीं बनेगा, अपितु अपने आपको भी इस तरह से ढालेगा कि किसी अन्य को कोई कष्ट नहीं है। उसके सामने सदा यह लक्ष रहेगा ।

राम मंदिर : सियासी मंच या आस्था का उत्सव

शाबाश इंडिया

राजनीति अपनी जगह है लेकिन राम मंदिर करोड़ों भारतीयों के लिए आस्था का विषय है। राजनीति कैसे साधारण विषयों को भी उलझाकर मुद्दे में तब्दील कर देती है, रामजन्मभूमि का विवाद इसका उदाहरण है। आज के भारत का मिजाज, अयोध्या में स्पष्ट दिखता है। आज यहां प्रगति का उत्सव है, तो कुछ दिन बाद यहां परंपरा का उत्सव भी होगा। आज यहां विकास की भव्यता दिख रही है, तो कुछ दिनों बाद यहां विरासत की भव्यता और दिव्यता दिखने वाली है। अयोध्या में राममंदिर का निर्माण तथा भगवान रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हमारी गौरवशाली आस्था के क्षण है और वर्तमान पीढ़ी बेहद भाग्यशाली है, जो इन ऐतिहासिक क्षणों की साक्षी बनने जा रही है। सोचे तो राममंदिर सबका है क्योंकि राम किसी के साथ भेदभाव नहीं करते है, राम सबके है। लेकिन यह बात बार-बार इसलिए दोहराई जा रही है ताकि राम मंदिर आंदोलन से लेकर निर्माण तक भाजपा को जो श्रेय मिल रहा है उसे कम किया जा सके। विपक्षी राजनितिक दलों के नेता राममंदिर को सियासी इसलिए बना रहे है ताकि महोत्सव में किसी न किसी प्रकार का विवाद खड़ा हो जाये। इन्हे सुनकर ये कहा जा सकता है कि सियासी लोग अभी तक राम मंदिर के निर्माण के राष्ट्रीय कार्य को मन से स्वीकार नहीं कर पाए है।

-प्रियंका सौरभ

तुषार जैन ने सी ए फाइनल में ऑल इंडिया में 45वी रेंक प्राप्त की

जयपुर. शाबाश इंडिया

हीरा पथ मानसरोवर निवासी तुषार जैन ने सी ए फाइनल में ऑल इंडिया में 45वी रेंक प्राप्त की। हीरापथ जैन समाज के गौरव तुषार जैन श्रीमती शकुंतला देवी जी छाबड़ा के सुपोत्र देवेन्द्र छाबड़ा के पुत्र हैं । द सीए फाइनल परीक्षा में 45 वी all india Rank प्राप्त करने के लिए समस्त परिवार जनों को एवं तुषार जैन को श्री दिगंबर जैन मंदिर समिति ट्रस्ट एवं समस्त दिगंबर जैन समाज हीरापथ द्वारा बधाई और शुभकामनाएं दी गई।

चलो धारूहेड़ा चलो धारूहेड़ा

श्री मुनिसंघ सेवा समिति जयपुर

(बापू नगर जैन समाज द्वारा संचालित)

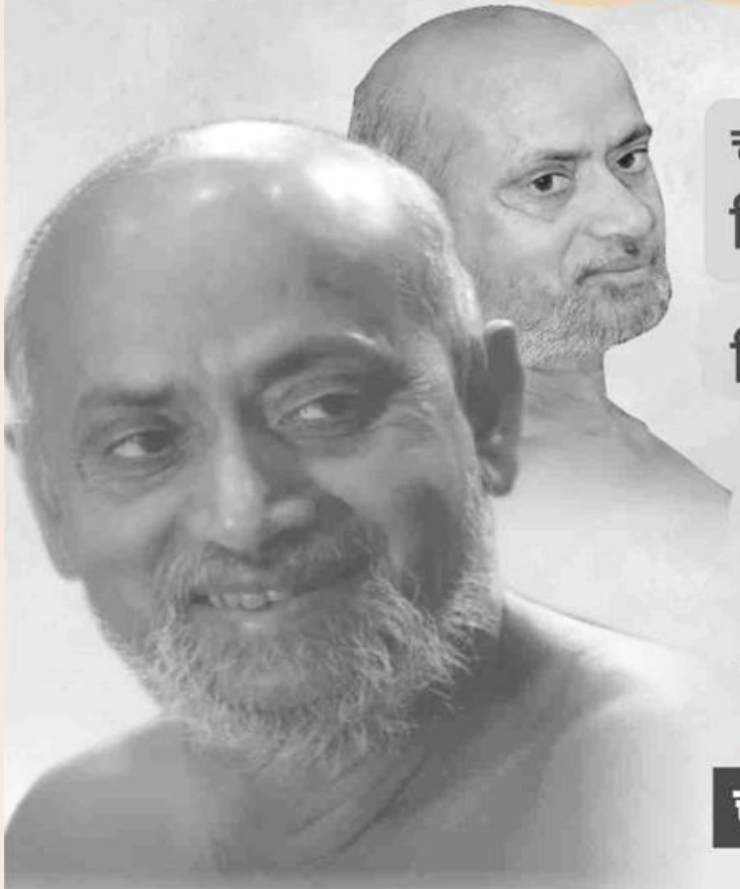

चर्या शिरोमणि आचार्य श्री 108
विशुद्धसागर जी महाराज ससंघ

दिव्य अद्भुत भव्य दर्शनों के साथ

जयपुर मंगल प्रवेश हेतु

श्रीफल भेंट

चलो धारूहेड़ा - दिल्ली रोड (डिलक्स बसों द्वारा)

शनिवार, दिनांक 13 जनवरी, 2024

(भट्टारक जी की नसियाँ से रवाना डिलक्स बसों से रवाना होंगे)

जयपुर से प्रस्थान प्रात: 6.15 बजे • तिजारा दर्शन एवं भोजन प्रात: 11.15 बजे
धारूहेड़ा में जयपुर प्रवेश हेतु निवेदन श्रीफल भेंट - प्रात: 1.15 बजे
धारूहेड़ा से सायंकाल प्रस्थान कर रात्रि 10.15 बजे तक जयपुर पहुँचेंगे

प्रति सहयोग राशि : 500/-
नाम नोट करवाने की अंतिम तिथि 11 जनवरी, 2024

मुख्य संयोजक : ओम प्रकाश काला : 98290-21691 • पदम बिलाला : 93140-24888
संयोजक : मनोज झांझरी 9829063426 • रमेश बोहरा 9828026629 • मुकेश जैन - ब्रह्मपुरी 93141-15222 • मनीष बैद 94140-16808

अध्यक्ष	कार्याध्यक्ष	महामंत्री	कोषाध्यक्ष
राजीव जैन गाजियाबाद	सुरेन्द्र कुमार मोदी	नवीन संघी	संजय पाटनी
94140-54571	86969 79825	93149 66771	93527 22022

एवं समस्त पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्य श्री मुनिसंघ सेवा समिति, जयपुर

मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने किए शनि मंदिर के दर्शन

नरेंद्र जैन ने किया उनका अभिनंदन

जयपुर. शाबाश इंडिया। जालोर विधायक जोगेश्वर गर्ग राजस्थान विधानसभा में मुख्य सचेतक (केबिनेट मंत्री दर्जा) के पद पर मनोनित किये जाने पर शनि मंदिर में दर्शन किए तथा इस अवसर पर सिद्धार्थ नगर ,जयपुर निवासी नरेन्द्र कुमार जैन द्वारा माल्यार्पण कर उनका अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर भाजपा कार्यकर्ता चिंटू गुप्ता, अशोक कुमार जैन आदि ने भी मुख्य सचेतक बनाए जाने पर जोगीश्वर गर्ग को हार्दिक बधाई दी।

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज के प्रवचन से...

जयपुर. शाबाश इंडिया

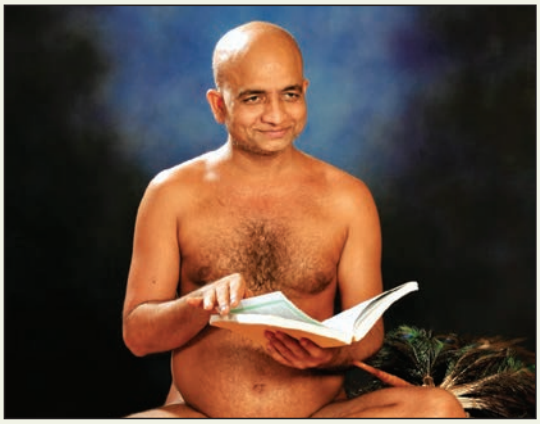

जितनी जल्दी आप अपने जीवन की जिम्मेदारी लेंगे..
सफलतायें भी आपके कदमों में आकर घुटने टेक देगी।।

दूसरों पर निर्भर होकर जीवन जीने का अर्थ है- हाथ, पैर, शरीर ठीक होने पर भी हम अपंग और अपाहिज हो गये। किसी कार्य में दूसरों का सहयोग लेना गलत नहीं है,, लेकिन उन पर ही निर्भर हो जाना गलत है। दूसरों पर निर्भर होना यानि अपनी योग्यता को खत्म कर देना जैसा ही है। जब हम किसी पर निर्भर होते हैं, तो हम अपने आपको लाचार और असहाय महसूस करने लगते हैं। दूसरों पर निर्भर होने से पहले हम लाचार होते हैं, फिर धीरे धीरे आदत सी हो जाती है और हम बिल्कुल पंगु हो जाते हैं। सहयोग लेना बुरा नहीं है, असहाय और निर्भर होना बुरा है। किसी भी कार्य की शुरूआत करो, एक दो बार असफल होंगे तो कोई बात नहीं। भरोसा करना है तो स्वयं पर करो, दूसरों पर भरोसा करने से जीने की उम्मीदें कम हो जाती है। क्योंकि बने बनाये पथ पर चलने वाली रनहरेर होती है, नदियाँ नहीं। नदियाँ चट्टानों को चीर कर, अपना पथ स्वयं बनाती है और आगे बढ़ती है। तभी तो वो सागर से मिल पाती है। ना सिर्फ सागर से मिलती है वरन वो खुद सागर हो जाती है। अपना पथ स्वयं गढ़ो और आगे बढ़ो...।

नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर **'शाबाश इंडिया'** आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com